



भारत सरकार
पंचायती राज मंत्रालय

पंचायत पुरस्कार 2018

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस, 24 अप्रैल, 2018
मण्डला, मध्य प्रदेश



वेबसाइट:— <http://panchayat.gov.in>
<http://panchayataward.gov.in>

नरेन्द्र सिंह तोमर
NARENDRA SINGH TOMAR



ग्रामीण विकास,
पंचायती राज और खाने मंत्री
भारत सरकार
कृषि भवन, नई दिल्ली
MINISTER OF RURAL DEVELOPMENT,
PANCHAYATI RAJ AND MINES
GOVERNMENT OF INDIA
KRISHI BHAWAN, NEW DELHI

संदेश

देशभर में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) का कार्य-निष्पादन, निधियों के हस्तांतरण, क्षमता निर्माण, पंचायती राज संस्थाओं के नेतृत्व और समुदाय सहभागिता के आधार पर अलग-अलग है। मेरा मंत्रालय सर्वश्रेष्ठ कार्य-प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहन दे रहा है, ताकि उन्हें स्थानीय स्वशासन में अपना कार्य-निष्पादन और भी उत्कृष्ट बनाने हेतु प्रोत्साहन मिले। अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए पंचायतों को सम्मानित करने से पंचायत प्रतिनिधियों को बेहतर कार्य-निष्पादन की प्रेरणा मिलेगी और स्थानीय प्रशासन को सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकारें भी और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ेंगी।

मुझे हर्ष है कि राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली पूरे देश की चयनित पंचायतों को दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। सम्मानित पंचायतों का चयन करते समय स्वच्छता, राजस्व-अर्जन, नागरिक सेवा आदि विधियों और गतिविधियों को ध्यान में रखा गया है।

नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव याम सभा पुरस्कार की स्थापना, श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन और विशेष रूप से सामाजिक एवं आर्थिक अवसरेचना में उल्लेखनीय सुधार लाने वाली याम पंचायतों के उत्साहवर्द्धन हेतु की गई थी। पंचायत-प्रक्रियाओं को पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए विभिन्न ई-अनुप्रयोगों को उपयोग में लाकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को ई-पंचायत पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

मुझे प्रसन्नता है कि इस वर्ष याम पंचायत विकास योजना पुरस्कार के नाम से एक नए पुरस्कार की शुरुआत की गई है। यह पुरस्कार पूरे देश की सर्वश्रेष्ठ कार्य-

जारी.....पृष्ठ 2/-

प्रदर्शन वाली ग्राम पंचायतों को प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य उन ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित और प्रेरित करना है, जिन्हें अपने जीपीडीपी, पंचायती राज मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मॉडल दिशानिर्देशों को इष्टि में रखते हुए संघ राज्य क्षेत्र के विशिष्ट दिशानिर्देशों के अनुरूप तैयार किए हैं।

मैं पंचायत पुरस्कार-2018 के विजेताओं को बधाई देता हूं और सभी पंचायत प्रतिनिधियों से पंचायती राज मंत्रालय के गुणात्मक और मात्रात्मक प्रयासों को आगे ले जाने का आग्रह करता हूं ताकि पंचायती राज संस्थाओं को सुदृढ़ बनाने का उद्देश्य पूरा किया जा सके। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम आने वाले समय में विजेताओं के मध्य ज्यादा से ज्यादा पंचायतों को देख सकेंगे। मैं पंचायतों और राज्यों को पुरस्कृत करने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देते हुए सराहना करता हूं।

1/1/1
(नरेन्द्र सिंह तोमर)

अमरजीत सिंहा
AMARJEET SINHA



सचिव
भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग
कृषि भवन, नई दिल्ली-110001

SECRETARY
Government of India
Ministry of Rural Development
Department of Rural Development
Krishi Bhawan, New Delhi-110001
Tel.: 91-11-23382230, 23384467
Fax: 011-23382408
E-mail: secyrd@nic.in

प्रस्तावना

संविधान का 73 वां संशोधन के अपनाने के साथ ही पंचायतों को स्थानीय रव्वे-सरकार का संवैधानिक दर्जा मिल गया। इस संशोधन के साथ ही विस्तरीय अभिशासन व्यवस्था की एक संरचना भी शुल्क हुई जिससे अंततः सहभागितापूर्ण लोकतंत्र का पौधण हुआ है। संशोधन में यह अधिवेशित किया गया है कि संसदन, उत्तरदायित्व और नियंत्रण लेने की शक्तियां केन्द्र सरकार से स्थानीय रत्न पर पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के माध्यम से अतारित होंगी, ताकि पंचायती राज संस्थाएं रोपाओं की कुशल प्रदायाती का साधन बने जिसका स्पष्ट असर हमारे ग्रामीण लोगों के जीवन पर पड़े।

पंचायती राज मंत्रालय पंचायती राज संस्थाओं को कार्यक्रम संबंधी समर्थन और स्थानीय शासन में उपरिचित अंतरालों को दूर करने के लिए देश की लगभग 2.56 लाख पंचायतों तक पहुंच बनाकर इन संस्थाओं का सारांशितकरण करता आ रहा है। स्थानीय अभिशासन के स्तर पर दक्षता और पारदर्शिता में सुधार लाने तथा सरकार को निचले स्तर तक आईटीसी की पहुंच बढ़ाने हेतु याम पंचायत विकास योजना (बीपीटीपी), राज्यों को क्षमता निर्माण की पहली के लिए योजनाबद्द समर्थन, ग्रामीण स्थानीय निकायों (आरबीएल) के लिए घोदाहर्वे वित्त आयोग (एफएफसी) के अनुदान की नियंत्रणी और ई-अभिशासन को बढ़ावा देने के माध्यम से पंचायत स्तर पर समर्थित और सहभागितापूर्ण आयोजना पर जोर दिया जा रहा है।

राष्ट्रीय रत्न पर पंचायतों का प्रोत्साहनीकरण पंचायतों के बीच रवव्य प्रतिरक्षण की भावना पैदा करता है और यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों के कायाकल्प में उत्प्रेरक का काम करती है। पंचायती राज मंत्रालय सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली पंचायतों को वर्ष 2011–12 से प्रोत्साहित करता आ रहा है। प्रोत्साहन हेतु इन पंचायतों के बचन के लिए एक नियंत्रित एवं पारदर्शी प्रक्रिया बनाई गई है।

पंचायती राज मंत्रालय ऑनलाइन पोर्टल <http://panchayataward.gov.in/> के माध्यम से पंचायतों के प्रोत्साहन के लिए नामांकन आमंत्रित करता है। पंचायती राज मंत्रालय को दीन दयाल उपायाय पंचायत संस्कृतकरण पुरस्कार (बीटीयूपीएसपी) के तहत 25,470 नामांकन प्राप्त हुए हैं। यह पुरस्कार समान्य और नींव विधयकता श्रेणियों रखच्छता, नागरिक शोषण (प्रेयजल, सड़क प्रकाश, बुनियादी ढांचा) में सुधार करने, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, हाशिए पर के बर्गी, सामाजिक क्षेत्र की सेवा, आपदा प्रबंधन, राजस्व सूचन में नवाचार, ई-गवर्नेंस, सीपीओ/ व्यवितरणलूप रोगाम पंचायतों के कामों में रेखांकन बदल को बढ़ावा देने वाली राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों की स्तरों की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकारी पंचायतों (जिला, मध्यवर्ती और याम पंचायत) को उनके अच्छे कामों की मान्यता के लिए दिया जाता है।

नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव याम समा पुरस्कार (एनडीआरजीजीएसपी) याम पंचायतों को याम समाजों को शामिल करके सामाजिक-आर्थिक विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। इस श्रेणी के लिए 14,131 नामांकन प्राप्त हुए हैं। याम पंचायत (बीपी) रत्न पर अभिशरण योजना के महत्व को ध्यान में रखते हुए, इस वर्ष से एक नया पुरस्कार, याम पंचायत विकास योजना पुरस्कार शुरू किया गया है, जिसे राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र के विशिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार जीपीटीपी तैयार करने के लिए याम पंचायत को प्रोत्साहित करने वाली देश भर में दीन सर्वश्रेष्ठ याम पंचायतों को प्रदान किया जाएगा।

पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) का ई-सहभागिता कर उनके कामकाज में दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व लाने के लिए एक और भी पुरस्कार, ई-पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य यूवना और संघार प्रौलोगिकी के उपयोग करने के लिए पंचायतों को प्रोत्साहित करना है।

यह पुरस्कार उन राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को दिया जाता है जन्होंने ई-पंचायत अनुप्रयोगों को अपनाने और उन्हें कार्यान्वयित करने में प्रयास किए हैं और पंचायतों को पंचायत अनुप्रयोगों के मालियम से सेवाओं के इलेक्ट्रॉनिक डिलीवरी हेतु सहाय किया है। इसके लिए नियमित रूप से गूल्मार्कन गानदंडो के आधार पर राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों का विश्लेषण किया जाता है।

इस वर्ष 191 पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) को दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। नानाली देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार के लिए 21 पीआरआई का वर्यन किया गया है और ग्राम पंचायत विकास योजना के पुरस्कार के लिए 3 ग्राम पंचायतों का वर्यन किया गया है। इसके अलावा, अपने राज्यों में पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) के ई-साक्षीकरण को बढ़ावा देने के लिए 6 राज्यों को ई-पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

2
‘अमरजीत सिंह’
17/4/18

पंचायत पुरस्कार – 2018

कुल मिलाकर लगभग 2.56 लाख पंचायतें हैं। देश भर में 2,48,683 ग्राम पंचायतें (जीपी), 6,360 मध्यवर्ती पंचायतें (आईपी) और 601 जिला पंचायतें (डीपी) हैं। ये पंचायती राज संस्थान (पीआरआई) सामाजिक-आर्थिक, बुनियादी ढांचे के विकास के विभिन्न स्तरों पर हैं। उनका प्रदर्शन आकार, कर्मचारियों की उपलब्धता, हस्तान्तरित कार्य, संसाधनों की उपलब्धता, क्षमता निर्माण और नेतृत्व पर आधारित है। बाधाओं और सीमाओं के बावजूद, कुछ पंचायतों ने पूरे देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन किए हैं। मॉडल के तौर पर पेश करने और अभ्यास विद्यालयों का पोषण करने के लिए, ऐसी पंचायतों को पहचानने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। यह जागरूकता और प्रोत्साहन के द्वारा प्राप्त किया जाता है। पूर्वोत्तर राज्यों में निर्वाचित जिला/गांव परिषदों को भी जमीनी लोकतंत्रीकरण को उचित मान्यता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय मंच पर प्रोत्साहित करके पंचायती राज संस्थाओं के कार्य निष्पादन का संज्ञान लेने की आवश्यकता है क्योंकि इसका समस्त प्रणाली पर एक साकारात्मक परिणाम निकलेगा— यह (क) पीआरआई के प्रदर्शन में सुधार के लिए यह पीआरआई के प्रतिनिधियों के लिए प्रोत्साहन है, (ख) पीआरआई प्रदर्शन के मुद्दे को अच्छे तरीके से पेश करता है और नीति निर्माताओं का ध्यान केंद्रित करता है और (ग) राज्य सरकारों को उनके सिस्टम मूल्यांकन और प्रोत्साहन को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

पंचायती राज मंत्रालय (एमओपीआर) सर्वोत्तम प्रदर्शनकारी पंचायतों को प्रोत्साहन दे रहा है और पंचायत सशक्तिकरण और जवाबदेही प्रोत्साहन योजना (पीईएआईएस) के तहत वर्ष 2011–12 से उनकी सर्वोत्तम पद्धतियों का भी दस्तावेजीकरण कर रहा है। वर्ष 2013–14 से राजीव गांधी पंचायत सशक्तिकरण अभियान (आरजीपीएसए) का यह एक हिस्सा रहा है। वर्तमान में “पंचायतों के प्रोत्साहनीकरण” योजना के अंतर्गत हर वर्ष 24 अप्रैल को मनाए गए राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर पुरस्कार दिए जाते हैं। यह प्रोत्साहन विशेष प्रयास करने वाले पंचायत प्रतिनिधियों को प्रोत्साहित करता है; पंचायतों और ग्राम सभाओं द्वारा अनुकरण करने के लिए आदर्शों को प्रस्तुत करता है और अच्छे कार्य करने वालों पर सार्वजनिक ध्यान केंद्रित कराता है, जिससे सभी पंचायतें अपने प्रदर्शन को सुधारने के लिए प्रोत्साहित होती हैं। सारांशतः यह स्थानीय स्तर पर समग्र सुशासन के लिए उपयुक्त वातावरण बनाता है।

पंचायत पुरस्कारों की श्रेणी

- ग्राम पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) पुरस्कार** शुरू किया गया है जिसे देश भर में तीन सर्वश्रेष्ठ कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों (जीपी) को प्रदान किया जाएगा। इसकी शुरूआत उन ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई है जिन्होंने एमओपीआर (या अपनाये गए) द्वारा जारी मॉडल दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विशिष्ट दिशानिर्देशों के अनुसार अपने जीपीडीपी विकसित कर लिये हो। ग्राम पंचायतों का मूल्यांकन करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा अपनी आवश्यकताओं के मद्देनजर उचित रूप से अपनाए गए मानदंडों और संकेतकों का सेट और अंकन योजना एमपीआर द्वारा विकसित की गई है। ये मानदंड निम्न हैं (i) सहभागितापूर्ण आयोजना दृष्टिकोण (ii) योजनाओं की गुणवत्ता—सतत विकास लक्ष्य, कम लागत, लागत रहित गतिविधि (iii) अभिसरण (iv) योजना निष्पादन और उपयुक्त निगरानी प्रणाली (v) जीपीडीपी को मजबूत करने के लिए आईटी आधारित उपकरणों का उपयोग — प्लान प्लस, प्रियासॉफ्ट, स्थानीय सरकारी डायरेक्ट्री (एलजीडी) कोड, जीओ टैगिंग आदि। (vi) स्वयं के राजस्व स्रोत (ओएसआर) प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण।

ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार के विजेताओं की राज्यवार सूची नीचे दी गई है:

ग्राम पंचायत विकास योजना पुरस्कार 2018 (मूल्यांकन वर्ष 2016–17) के लिए चुनी गई ग्राम पंचायतें			
रैंक	राज्य का नाम	पदानुक्रम के अनुसार पंचायतों के नाम	
		ज़िला>>	ब्लॉक>>
1.	पश्चिम बंगाल	दक्षिण 24—परगना	पत्थर प्रतिमा
2.	कर्नाटक	मैसूर	पेरियापटना
3.	सिविकम	दक्षिण ज़िला	—
			दिगंबरपुर मलांगी मनीराम फलिदारा

2. ई—पंचायत पुरस्कार

पंचायत एन्टरप्राइज सूट (पीईएस) अनुप्रयोग / राज्य विशिष्ट अनुप्रयोगों को अपनाने और लागू करने के लिए राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए; पंचायतों और समकक्ष ग्रामीण स्थानीय सरकारों के आंतरिक कार्य प्रवाह प्रक्रियाओं को स्वचालित करने के लिये ई—पंचायत अनुप्रयोगों के अपनाने और लागू करने के माध्यम से विकेन्द्रीकृत स्व—प्रशासनिक संस्थानों के अंगों के रूप में उन्हें अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के लिए सेवाओं के इलेक्ट्रॉनिक वितरण को सक्षम करने के लिए ई—पंचायत पुरस्कार दिया जाता है। इस वर्ष के ई—पुरस्कार के लिए राज्यों को तीन श्रेणियों में बांटा गया है— (i) श्रेणी I में उन राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है जो पीईएस एप्लीकेशन का उपयोग कर रहे हैं, (ii) श्रेणी II (क) में उन राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है जो समान कार्यशीलता प्रदान करने वाले दोनों पीईएस एप्लीकेशन और राज्य विशिष्ट एप्लीकेशन का उपयोग कर रहे हैं और <3 (iii) श्रेणी II (ख) में उन राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल किया गया है जो समान कार्यशीलता प्रदान करने वाले दोनों पीईएस एप्लीकेशन और राज्य विशिष्ट एप्लीकेशन का उपयोग कर रहे हैं >3. प्रतियोगिता को अधिक कठिन बनाने के लिए यह किया गया था। राज्यों का मूल्यांकन निम्न आधार पर किया जाता है:

- i. पीईएस एप्लीकेशन जैसे कि लेखांकन, योजना बनाने, कार्यों की निगरानी, सेवाओं का इलेक्ट्रॉनिक वितरण, सामाजिक लेखा परीक्षा आदि के वास्तविक उपयोग के संबंध में राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों का प्रदर्शन। संबंधित राज्य विशिष्ट एप्लीकेशन को महत्व भी दिया जाता है।
- ii. ई—पंचायत एमएमपी के रोल—आउट और पंचायतों के लिए किसी भी राज्य विशेष सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन के संचालन के लिए राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए गए अभिनव उपाय।

ई—पंचायत पुरस्कार विजेताओं की सूची :

श्रेणी—I के राज्य:

- 1. सिविकम 2. ओडिशा 3. महाराष्ट्र

श्रेणी –II के राज्य:

श्रेणी –II क

1. तेलंगाना
2. त्रिपुरा

श्रेणी –II ख:

1. कर्नाटक

3. **नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार (एनडीआरजीजीएसपी)** को वर्ष 2010 में स्थापित किया गया है ताकि देश की ग्राम पंचायतों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रभावी ग्राम सभाओं के माध्यम से विशेषकर सामाजिक सुधार में वृद्धि और गांव की आर्थिक संरचना के संबंध में प्रोत्साहित किया जा सके, सराहनीय कार्यों हेतु उन्हें और बढ़ावा दिया जा सके। इस पुरस्कार की स्थापना का मुख्य उद्देश्य ग्राम सभा की संस्था को मजबूत करना है और इसके द्वारा लोगों की भागीदारी, सामूहिक निर्णय और सामाजिक लेखा परीक्षा के लिए संस्थान के रूप में उजागर करना है।

नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार (एनडीआरजीजीएसपी) के पुरस्कार विजेताओं की राज्यवार सूची नीचे दी गई है:

**नानाजी देशमुख राष्ट्रीय गौरव ग्राम सभा पुरस्कार – 2018
(मूल्यांकन वर्ष 2016–17) के लिए चयनित ग्राम पंचायतों की सूची**

क्रम संख्या	राज्य का नाम	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	
	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत
1.	आंध्र प्रदेश	वार्ड.एस.आर	राजुपलम
2.	असम	तिनसुकिया	गुइजन
3.	बिहार	मुजफ्फरपुर	सकरा
4.	चंडीगढ़	चंडीगढ़	चंडीगढ़
5.	छत्तीसगढ़	महासमुंद	महासमुंद
6.	ગुजरात	सूरत	ओलपाद
			सरोली

7.	हरियाणा	रोहतक	कलानौर	काहनौर
8.	हिमाचल प्रदेश	शिमला	मसोबरा	धामून
9.	झारखंड	रामगढ़	धुमली	जमिरा
10.	कर्नाटक	दक्षिण कन्नड	बनतवाल	बोलान्तथुरु
11.	केरल	मलाप्पुरम	वनडूर	पोरुर
12.	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	अजारा	उत्तुर
13.	पंजाब	कपूर्थला	नाडला	खास्सान
14.	राजस्थान	जैसलमेर	साम	मंडई
15.	सिकिंग	उत्तरी जिला	—	तिंगवोंग
16.	तमिलनाडु	सालेम	मैक चोलत्री	ए. पुदुर
17.	तेलंगाना	करीमनगर	सैदापुर	डुड्डेनपल्ली
18.	त्रिपुरा	खोवई	खोवई	धालाबिल
19.	उत्तराखण्ड	उधमसिंह नगर	गदरपुर	नंदपुर
20.	उत्तर प्रदेश	सिद्धार्थ नगर	भांवपुर	हंसुदी औसानपर
21.	पश्चिम बंगाल	बर्धमान	कलना II	वैद्यपुर

4. दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार (डीडीयूपीएसपी):

दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार राज्यों / संघ राज्य क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों (जिला, मध्यवर्ती और ग्राम) को सेवा और सार्वजनिक वस्तुओं की प्रदायगी में सुधार में अच्छे कार्यों के लिए दिया जाता है। डीडीयूपीएसपी पुरस्कार सामान्य और नौ विषयगत श्रेणियों में दिए जाते हैं। ये विषयगत श्रेणियां निम्न प्रकार से हैं:-

- स्वच्छता,
- सिविक सेवाएं (पेयजल, पथ प्रकाश, बुनियादी ढांचा),
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन,
- निचले स्तर के वर्गों (महिलाओं, अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति, विकलांग, वरिष्ठ नागरिक) की सेवा
- सामाजिक क्षेत्र में प्रदर्शन,
- आपदा प्रबंधन,
- ग्राम पंचायत का समर्थन करने के लिए स्वयंसेवी कार्य करने वाले सीबीओ / व्यक्ति
- राजस्व उत्पादन में नवाचार, और
- ई—गवर्नेंस।

दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार (डीडीयूपीएसपी) प्राप्तकर्ताओं की राज्यवार सूची नीचे दी गई है:

दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार 2018
(मूल्यांकन वर्ष 2016–17) के लिए चयनित पंचायतें

1. आंध्र प्रदेश = 1+4+6 = 11				
पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम		पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत
जिला पंचायत	1.	कृष्णा	—	— सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	श्रीकाकुलम	तेकाली	— सामान्य
	3.	कुरनूल	नन्दीकोटकुर	— सामान्य
	4.	गुंटूर	गुंटूर	— सामान्य
	5.	प्रकाशम	सिनारायाकोंडा	— सामान्य
ग्राम पंचायत	6.	पूर्व गोदावरी	करलामपुडी	बुरुगुपुडी विषयगत—स्वच्छता
	7.	अनंतपुर	धर्मावरम	गोटलुर विषयगत—स्वच्छता
	8.	गुंटूर	अत्येमपेट	आत्थामपेटा विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन
	9.	कृष्णा	पेडापारूपूडी	पेडापारूपूडी सामान्य
	10.	चित्तूर	वेन्कटागिरीकोट्टे	वी. कोटा सामान्य
	11.	विशाखापत्नम	अचुतापुरम	डिब्बापालेम सामान्य

2. अरुणाचल प्रदेश = 1+0+0 = 1

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)		
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	
जिला पंचायत	1.	करा दादी	—	—	सामान्य

3. असम = 1+1+3 = 5

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)		
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	
जिला पंचायत	1.	तिनसुकिया	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	धेमाजी	धेमाजी	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	3.	नलबारी	पश्चिम नलबारी	बोनगांव	विषयगत—स्वच्छता
	4.	मरीगांव	भूरबंधा	कुंवरगांव	विषयगत—ई—गवर्नेंस
	5.	शिवसागर	पश्चिम अभयपुर	राजापुखुरी	सामान्य

4. चंडीगढ़ = 0+0+1 = 1

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)	
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत
ग्राम पंचायत	1.	चंडीगढ़	चंडीगढ़	खुदा लाहोरा
				सामान्य

5. छत्तीसगढ़ = 1+1+5 = 7

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)	
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत
जिला पंचायत	1.	सुरजपुर	—	—
मध्यवर्ती पंचायत	2.	कोरिया	खदगावना	—
ग्राम पंचायत	3.	सुरजपुर	सुरजपुर	सीलफिली
	4.	कोरिया	खदगावना	गधतार
	5.	कोरिया	खदगावना	जरौंधा
	6.	धमतारी	नगारी	सांकरा
	7.	बलरामपुर	रामचन्द्रपुर	जामवंतपुर

6. ગુજરાત = 1+1+7 = 9

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ब्लॉક	ग्राम पंचायत	પुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	નર્મદા	—	—	सामान्य
મध्यवर्ती पंचायत	2.	જામનગર	જમજોધપુર	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	3.	સૂરત	ઓલપાડ	ઓલપાડ	सामान्य
	4.	રાજકોટ	લોધિકા	રાવકી	सामान्य
	5.	સૂરત	ઓલપાડ	માસમા	सामान्य
	6.	સાબરકંઠા	ઇદાર	દરામલી	सामान्य
	7.	બનાસકંઠા	દાંતીવાડા	છોડુંગ્રી	सामान्य
	8.	કચ્છ	મુંદ્રા	પ્રગપર	सामान्य
	9.	રાજકોટ	લોધિકા	મખાવદ	सामान्य

7. हरियाणा = 1+2+3 = 6

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	सिरसा	—	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	कुरुक्षेत्र	लाडवा	—	—	सामान्य
	3.	भिवानी	लोहारू	—	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	पलवल	पृथला	नंगला भिखु	—	विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सूजन
	5.	रोहतक	सांपला	गिज्जी	—	सामान्य
	6.	रोहतक	कलानौर	काहनौर	—	सामान्य

8. हिमाचल प्रदेश = 1+2+3 = 6

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	बिलासपुर	—	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	मंडी	चौन्तरा	—	—	सामान्य
	3.	शिमला	जुब्बल कोटखाई	—	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	चंबा	भट्टियत	ककीरा कस्बा	—	विषयगत—ई—गवर्नेंस
	5.	शिमला	मशोबरा	धमुण	—	सामान्य
	6.	कूल्लू	बंजर	बालागढ़	—	सामान्य

9. जम्मू एवं कश्मीर = 0+0+2 = 2

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला	ब्लॉक	
ग्राम पंचायत	1.	जम्मू	बिशनाह	नोवगरन सामान्य
	2.	उधमपुर	पंचराई	छुलना सामान्य

10. झारखण्ड = 1+1+1 = 3

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला	ब्लॉक	
जिला पंचायत	1.	कोडरमा	—	— सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	खुंटी	मुरहू	— सामान्य
ग्राम पंचायत	3.	गिरीडीह	गाणडेय	दासडीह सामान्य

11. कर्नाटक = 1+2+3 = 6

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला	ब्लॉक	
जिला पंचायत	1.	दक्षिण कन्नड़	—	— सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	उडुपी	उडुपी	— सामान्य
	3.	शिमोगा	होशंगारा	— सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	गडग	नारगुंड	रड्डेर—नांगनूर विषयगत—स्वच्छता
	5.	दक्षिण कन्नड़	बेलतानगडी	उजिरे विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन
	6.	गडग	गडग	विनकादकाती सामान्य

12. केरल = 1+2+3 = 6

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	कोल्लम	—	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	पलक्कड़	श्रीकृष्णापुरम	—	—	सामान्य
	3.	तिरुवनंतपुरम	नेटु मनगद	—	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	मालापुरम	पिरमपाडपू	मरनछेरी	—	विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन
	5.	अलापुङ्गा	चेनान्नूर	बुद्धन्नुर	—	विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन
	6.	कोल्लम	सस्थामकोट्टूर	सस्थनकोट्टा	—	विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन

13. मध्य प्रदेश = 2+2+11 = 15

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	राजगढ़		—	—	सामान्य
	2.	झाबुआ				
मध्यवर्ती पंचायत	3.	पूर्व निमड़	बालाड़ी	—	—	सामान्य
	4.	टीकमगढ़				
ग्राम पंचायत	5.	भोपाल	फंडा	बालाड़ी	बरखेड़ी अबदुल्ला	सामान्य
	6.	पूर्व निमड़			किल्लौड़	सामान्य
	7.	पूर्व निमड़	खंडवा	—	सिहादा	सामान्य
	8.	झंदौर			कोडरिया	सामान्य
	9.	टीकमगढ़	पलेरा	शिओनी मालवा	इटायली	सामान्य
	10.	होशंगाबाद			भरलाई	सामान्य
	11.	टीकमगढ़	निवाड़ी	—	बिंबरा	सामान्य
	12.	झाबुवा			परवलिया	सामान्य
	13.	पूर्व निमड़	थंडला	पंधना	जलकुवां	सामान्य
	14.	टीकमगढ़			भमौरा	सामान्य
	15.	धार	धरमपुरी	—	सुन्दरैल	सामान्य

14. महाराष्ट्र = 1+2+14 = 17

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला	ब्लॉक	
जिला पंचायत	1.	सिंधु दुर्ग	—	— सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	भण्डारा	भण्डारा	— सामान्य
	3.	गोंडिया	गोरेगांव	— सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	गढ़चिरोली	धनोरा	जमभली विषयगत—स्वच्छता
	5.	अहमदनगर	राहता	एकरुखे विषयगत—स्वच्छता
	6.	अहमदनगर	राहुरी	गनेगांव सामान्य
	7.	सांगली	मिराज	समदोली सामान्य
	8.	चंद्रपुर	ब्रहमपुरी	अवलगांव सामान्य
	9.	कोल्हापुर	अजारा	उत्तुर सामान्य
	10.	चंद्रपुर	मूल	बबराला सामान्य
	11.	सांगली	वल्वा—इस्लामपुर	कामेरी सामान्य
	12.	नन्दुरबार	नवपुर	बोकलजर सामान्य
	13.	सतारा	महाबलेश्वर	मेटगुटड सामान्य
	14.	सिंधुदुर्ग	कणकवली	कोलीशी सामान्य
	15.	वर्धा	समुद्रपुर	बरबडी सामान्य
	16.	सतारा	सतारा	शिवथर सामान्य
	17.	भण्डारा	भण्डारा	रावणवाडी सामान्य

15. मणिपुर = 1+2 = 3

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	इम्फाल पश्चिम	—	—	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	2.	बिशनुपुर	—	थंगा भाग I	—	विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन
	3.	बिशनुपुर	—	सैटों	—	विषयगत—राजस्व उत्पत्ति / सृजन

16. ओडिशा = 1+2+3 = 6

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	भद्रक	—	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	बौध	बौध	—	—	सामान्य
	3.	कालाहान्डी	—	मदनपुर रामपुर	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	केन्दुझर	घाटगांव	—	मुकुन्दपुरपटना	सामान्य
	5.	जाजापुर	धर्मशाला	—	सुन्दरिया	सामान्य
	6.	कालाहान्डी	मदनपुर रामपुर	—	मदनपुर रामपुर	सामान्य

17. पंजाब = 1+2+7 = 10

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला			
जिला पंचायत	1.	फतेहगढ़ साहिब	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	पटियाला	पटियाला	—	सामान्य
	3.	मोगा	मोगा-I	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	गुरदासपुर	धारीवाल	छीना	विषयगत-स्वच्छता
	5.	मोगा	मोगा-I	डाला	विषयगत-स्वच्छता
	6.	बरनाला	बरनाला	अत्तरगढ़	विषयगत-स्वच्छता
	7.	रूपनगर	रूपनगर	थाली कला	सामान्य
	8.	नवनशहर	नवनशहर	जड़ला	सामान्य
	9.	फिरोजपुर	घल खुर्द	भोलु वाला	सामान्य
	10.	फाजिलका	फजिलका	पट्टी पुरन	सामान्य

18. राजस्थान = 1+2+4 = 7

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
		जिला	ब्लॉक	
जिला पंचायत	1.	झुंझुनु	—	— सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	झुंझुनु	सूरजगढ़	— सामान्य
	3.	चूरू	चूरू	— सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	चूरू	चूरू	घंधू सामान्य
	5.	हनुमानगढ़	नोहर	थलकारा (17 आरडब्ल्यूडी) सामान्य
	6.	जैसलमेर	साम	कुंडा सामान्य
	7.	पाली	सोजत	खरीया नींव सामान्य

19. सिकिकम = 1+0+2 = 3

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)	
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत
जिला पंचायत	1.	दक्षिण जिला	—	— सामान्य
ग्राम पंचायत	2.	दक्षिण जिला	—	नामफिंग विषयगत—राजस्व सूजन
	3.	पश्चिम जिला	—	मरतम विषयगत—स्वच्छता

20. तमिलनाडु = 1+2+6 = 9

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)	
		जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत
जिला पंचायत	1.	नीलगिरी	—	— सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	कोयम्बतूर	अन्नामलाई	— सामान्य
	3.	डिन्डीगुल	वेदासन्दुर	— सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	इरोड	भवानी सागर	कविलीपलयम विषयगत—स्वच्छता
	5.	त्रिप्पूर	कून्डाङ्काम	सादायापलयम विषयगत—सामाजिक क्षेत्र का विकास
	6.	कोयम्बतूर	थोँडामुथूर	वेल्लीमालाइपतनम सामान्य
	7.	थेनी	थेनी	अम्बासमुद्रम सामान्य
	8.	रामानाथपुरम	मंदापम	पुटुमादम सामान्य
	9.	नामाकल	पालीपालायम	कुप्पनडापालायम सामान्य

21. तेलंगाना = 1+2+4 = 7

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	अदीलाबाद	—	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	मेडक	सिंधीपेट	—	—	सामान्य
	3.	करीमनगर	श्रीरामपुर	—	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	करीमनगर	सिरसिल्ला	मुस्तिपल्ली	—	विषयगत—समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ)
	5.	मेडक	सिंधीपेट	इरकोडे	—	विषयगत—स्वच्छता
	6.	महबूबनगर	फारूखनगर	गन्टलावेली	—	विषयगत—स्वच्छता
	7.	करीमनगर	रामादुगु	वेलछाला	—	सामान्य

22. त्रिपुरा = 1+1+1 = 3

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	पश्चिम त्रिपुरा	—	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	पश्चिम त्रिपुरा	जिरानिया	—	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	3.	उनाकोटी	चांदीपुर	बीरचन्द्र नगर	—	सामान्य

23. उत्तर प्रदेश = 2+3+30 = 35

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	बुलंदशहर		—	—	सामान्य
	2.	सिद्धार्थनगर		—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	3.	फतेहपुर	खजुहा	—	—	सामान्य
	4.	बागपत		खेकड़ा	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	5.	मुरादाबाद	ठाकुरवाड़ा	—	—	सामान्य
	6.	सिद्धार्थनगर		भनवापुर	हसुड़ी औसानपुर	विषयगत—ई—गवर्नेंस
	7.	सिद्धार्थनगर		शोहरतगढ़	लुचुइया	विषयगत—स्वच्छता
	8.	मुरादाबाद		दिलारी	मिलकमावती	विषयगत—स्वच्छता
	9.	फतेहपुर		खजुहा	हिम्मतपुर	विषयगत—स्वच्छता
	10.	फतेहपुर		खजुहा	हाफिजपुरहरकरन	विषयगत—स्वच्छता
	11.	बाराबंकी		मसौली	चंदवारा	विषयगत—स्वच्छता
	12.	मुजफ्फरनगर		बुधाना	फुगाना	विषयगत—स्वच्छता
	13.	शामली		कंधला	दुन्दु केहरबनगर	विषयगत—स्वच्छता
	14.	मुरादाबाद		ठाकुरवाड़ा	बहादुरनगर	विषयगत—निचले वर्गों का विकास

15.	ललितपुर	तालबेहट	पावा	विषयगत—स्वच्छता
16.	बुलंदशहर	बुलंदशहर	मारगुबपुर	विषयगत—नागरिक सेवाएं
17.	बलिया	गढ़वर	रतशार कलां	सामान्य
18.	बागपत	बड़ौत	लोयान	सामान्य
19.	फैजाबाद	अमानीगंज	भखौली	सामान्य
20.	अमेठी	मुसाफिर खाना	कस्थूनीपुरब	सामान्य
21.	गाजीपुर	रेवतीपुर	साधोपुर	सामान्य
22.	सोनभद्र	रोबर्टगंज	हिनौता	सामान्य
23.	आजमगढ़	मार्टिनागंज	सहिजाना	सामान्य
24.	जालौन	कदौरा	अकबरपुर	सामान्य
25.	महराजगंज	सिसवा	बेलवा	सामान्य
26.	संत कबीर नगर	बघौली	छड़ाना	सामान्य
27.	गाजीपुर	रेवतीपुर	मेदनीपुरमुस्तहकम	सामान्य
28.	वाराणसी	काशी विद्यापीठ	चंदपुर	सामान्य
29.	वाराणसी	सेवापुरी	अदमापुर	सामान्य
30.	सोनभद्र	चोपन	चोपन	सामान्य
31.	फैजाबाद	मसौधा	सथारी	सामान्य

32.	संत कबीर नगर	हैंसर बाजार	अशरफपुर	सामान्य
33.	खेरी	लखीमपुर	मन्यौरा	सामान्य
34.	बुलंदशहर	बुलंदशहर	दरियापुर	सामान्य
35.	बाराबंकी	सिधौर	कोठी	सामान्य

24. उत्तराखण्ड = 1+2+4 = 7

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	पौड़ी गढ़वाल	—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	टेहरी गढ़वाल	जाखनीधार	—	सामान्य
	3.	चमोली	जोशीमठ	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	उत्तर काशी	मोरी	चिनवा	सामान्य
	5.	उत्तर काशी	मोरी	सारांश	सामान्य
	6.	देहरादून	रायपुर	पाव वाला सोडा	सामान्य
	7.	देहरादून	कालसी	नेबी	सामान्य

25. पश्चिम बंगाल = 1+2+3 = 6

पंचायत का स्तर	क्र.सं.	पदानुक्रम में पंचायतों के नाम	जिला	ब्लॉक	ग्राम पंचायत	पुरस्कार की श्रेणी (सामान्य / विषयगत)
जिला पंचायत	1.	बीरभूम		—	—	सामान्य
मध्यवर्ती पंचायत	2.	पुरुलिया		रघुनाथपुर-II	—	सामान्य
	3.	बीरभूम		रामपुर हाट-II	—	सामान्य
ग्राम पंचायत	4.	बीरभूम		सूरी-II	डोमडामा	विषयगत-ई-गवर्नेंस
	5.	बीरभूम		इल्लम बाजार	इल्लम बाजार	सामान्य
	6.	पुरुलिया		काशीपुर	बरराह	सामान्य
